भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा कलूण्ड़ पंचायत में फुटरॉट समस्या पर कार्यक्रम आयोजित

भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा कलूण्ड़ पंचायत में फुटरॉट रोग परियोजना के अन्तर्गत फुटरॉट समस्या पर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में 22 किसान/पशुपालक लाभार्थियों को 10 लीटर तरल कैल्शियम, 10 बोलस कृमिनाशक, 2 लीटर यकृत टॉनिक एवं एक तसला प्रति पशुपालक आवंटित किया गया। डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा लाभार्थियों को संस्थान के बारे में बताते हुए कहा कि संस्थान पशुचिकित्सा और पशुपालन के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और तकनीकी विकास के लिए समर्पित है। संस्थान पशु स्वास्थ्य, उत्पादन, और प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर की शिक्षा प्रदान करता है। इसके अलावा, भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान पशुचिकित्सा विज्ञान में अनुसंधान और तकनीकी हस्तांतरण के लिए भी जाना जाता है। संस्थान में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं और अनुसंधान सुविधाएं हैं, जो पशुओं के रोगों की रोकथाम, निदान और उपचार के लिए नई तकनीकों और वैक्सीन के विकास में सहायक हैं।

फुटरॉट परियोजना पीआई डा. रिंकु शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक द्वारा बताया गया कि फुटरॉट एक प्रकार का संक्रमण है जो मुख्य रूप से भेड़ों के खुरों में होता है। यह बैक्टीरिया के कारण होता है और खुरों में सूजन, दर्द और चलने में कठिनाई पैदा कर सकता है। इसे रोकने और इलाज करने के लिए खुरों को नियमित रूप से साफ रखें और गंदगी से बचाएं, संक्रमण के इलाज के लिए डॉक्टर की सलाह से एंटीबायोटिक्स का उपयोग करें एवं भेड़ों के खुरों की नियमित जांच करें ताकि संक्रमण को जल्दी पहचाना जा सके।

कार्यक्रम आयोजन हेतु पंचायत प्रधान श्री नरेन्द्र भट्ट द्वारा धन्यवाद एवं संस्थान की सराहना व्यक्त की। श्री आर. रणजीत सिंह, तकनीकी अधिकारी की कार्यक्रम में विशेष भूमिका रही।

भेड़ और बकरियों में पुटरांट